बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग 2—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर रहित)

शुक्रवार, तिथि 12 जनवरी, 1979

विषय-सूची

	पृष्ठ
गैर-सरकारी संकल्प :	
(क) राज्य के 'लॉ ऐंड आर्डर' की स्थिति पर वाद-विवाद (अस्वीकृत)	1—11
(ख) पलामू जिला में वाटर टावर द्वारा जलापूर्त्ति (वापस) ..	12—14
श्री रामानन्द तिवारी के अनशन से उद्भूत स्थिति	14—24
शोक प्रकाश :	
बिहार विधान-सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री विश्वनाथ राय की निर्मम हत्या पर शोकोद्गार।	24—28
दैनिक निबंध	29-30

टिप्पणी—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधन नहीं किया है, उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिये गये हैं।

रहे हैं। कल जब इनपर कंडेमनेशन का प्रस्ताव पास होगा तब ये क्या करेंगे, क्या चुप बैठे रहेंगे? हमलोग जनता के प्रतिनिधि हैं, हमलोग सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं, हमारी भी प्रतिष्ठा है और हमारी प्रतिष्ठा का सवाल है और हमारी प्रतिष्ठा को बचाने का हक आपको है।

उपाध्यक्ष—इसका निराकरण तो इन्हीं लोगों को करना है।

श्री मुन्द्रिका सिंह—इनलोगों को ही निराकरण करना है लेकिन नहीं कर रहे हैं। कल नालन्दा का डी०एम० जो छुट्टी में था और जो ऐक्टींग था उसकी बदली भी एक आदमी के कहने पर की गयी।

उपाध्यक्ष—इसमें आसन से आपको क्या प्रोटेक्शन मिलेगा?

श्री रामलखन सिंह यादव—माननीय सदस्य कृपया प्रोसिडिंग पढ़कर देख ले और अपनी बातों को सुधार लें हमारे ऊपर चार्ज लगाने के पहले। चूंकि नालन्दा के डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट का कोई कसूर नहीं था और उसका तबादला कर दिया गया। मैंने जो कुछ कहा है उसको मैं दोहराना चाहता हूं। आप प्रोसिडिंग पढ़िये। मैंने कहा...।

श्री मुन्द्रिका सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, आप निकालिये प्रोसिडिंग और इन्होंने जो कुछ कहा है उसको पढ़िये।

श्री रामलखन सिंह यादव—मैंने कहा था कि जो डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट छुट्टी में था उसका तबादला कर दिया। इसके लिये मैं प्रोटेस्ट करता हूं। जो डी०एम० चार्ज में था जो इंक्वायरी किया उसका नहीं और जो डी०एम० छुट्टी में था और इंक्वायरी नहीं किया उसका तबादला कर दिया। इसीलिये मैं प्रोटेस्ट करता हूं। मैं जनता पार्टी के बारे में या उसकी अंदरुनी मामलों के बारे में कुछ नहीं कहता हूं। लेकिन माननीय संसद सदस्य श्री रामानन्द तिवारी अनशन पर हैं। उस दिन मैंने भी उनको रोका। इसकी एक उच्चस्तरीय इंक्वायरी हो। चाहे संसद सदस्य हों या यहां के सदस्य हों अगर उनपर किसी भी तरह का ऑफिसर आक्षेप करता है तो उसकी इंक्वायरी होनी चाहिए और उसे सजा मिलनी चाहिए।

श्री कपिलदेव सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, जो प्रश्न माननीय सदस्य मुन्द्रिका बाबू ने उठाया है, मैं समझता हूं, सारे सदन की यह भावना है, सदन की भावना सर्वोपरि है और उनकी प्रतिष्ठा सर्वोपरि है। सरकार की मंशा कतई नहीं है कि माननीय सदस्यों की प्रतिष्ठा पर आघात हो। लेकिन सरकार चलाने की पद्धति में कुछ दिक्कतें होती हैं, उसको ध्यान में रखकर जैसाकि वित्त मंत्री ने कहा माननीय तिवारी जी की प्राण-रक्षा और सदन के माननीय सदस्यों की प्रतिष्ठा सबों को दृष्टि में रखकर काम किया जा रहा है और किया जायगा। मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि वे

सदन की कार्रवाई को चलने दें। इसपर हम निर्णय जल्द ही ले रहे हैं।

श्री परमेश्वर कुंअर—उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री ने जो कहा, वह तो हाइपोथेटिकल है, कोई निश्चयात्मक बात कहें। तिवारी जी 73 वर्ष के हैं, पता नहीं उनका प्राण 12 बजे चला जाय, पांच बजे चला जाय, क्या होगा? पता नहीं।

(सदन में शोरगुल)

उपाध्यक्ष—शांति, शांति। माननीय सदस्य आसन ग्रहण करें। मैं आपसे जानना चाहता हूं कि इसपर आसन आपकी क्या सहायता कर सकता है?

श्री परमेश्वर कुंअर—यह प्रशासन का सवाल है, भ्रष्टाचार का सवाल है....

(शोरगुल, कई माननीय सदस्य खड़े हैं।)

उपाध्यक्ष—मैं आपका विचार जानना चाहता हूं, आप ही बतायेंगे कि हम इसमें आपकी सहायता क्या करें?

श्री परमेश्वर कुंअर—उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री ने जो कुछ कहा, वह हाई-पोथिटिकल है, कोई निश्चयात्मक बात कहने को कहा जाय....।

उपाध्यक्ष—हम आपको इसमें क्या मदद करें? सदन के बाहर आसन का क्या अधिकार है? वह आप सभी जानते हैं। सदन के अन्दर कुछ हो तो हम प्रोटेक्शन दे सकते हैं।

श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिये हाई पावर इन्क्वायरी बनावेंगे। कलक्टर ने श्री रामानन्द तिवारी की निन्दा की, वे अनशन पर हैं। माननीय मंत्री कहते हैं कि सरकार को काम करने की अपनी पद्धति होती है, लेकिन सदन की या किसी पोलिटिकल पार्टी के लोगों की कोई प्रतिष्ठा नहीं होती है, आप इसपर विचार करें।

उपाध्यक्ष—इसमें हम क्या करें। आप ही बतावें कि हम आपको कैसे मदद करें?

श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह—सरकार पर ब्युरोक्रेसी हावी हो गया है। सरकार में अपना विवेक रह नहीं गया है।

उपाध्यक्ष—आपने अपनी बात सुनाई। अपने भाषण के जरिये सरकार का ध्यान भी आकृष्ट किया। इसपर सरकार कुछ निश्चयात्मक बात कहे, इसके लिये मैं सरकार को कैसे बाध्य कर सकता हूं। आप ही बतायें कि हम आपकी सहायता क्या कर सकते हैं?

श्री कृष्ण कांत सिंह—आप सब जब कह ही रहे हैं और सरकार का ध्यान आकृष्ट नहीं हो रहा है, तो आप सरकार को बदल दीजिए।

श्री रामप्रीत पासवान—उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। प्वायंट ऑफ ऑर्डर यह है कि माननीय वयोवृद्ध नेता, श्री रामानन्द तिवारी प्रशासन पर अफसरशाही के विरोध में आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं।

उपाध्यक्ष—यह प्वायंट ऑफ ऑर्डर कहां हुआ?

श्री रामप्रीत पासवान—उपाध्यक्ष महोदय, पटना के म्युनिसिपल कारपोरेशन के प्रशासक, श्री पंचम लाल का ट्रांसफर 6 महीने के अंदर कर दिया गया है। सरकार अपनी दुहाई देती है और उनकी बदली कर दी गयी है क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है?

(इस अवसर पर कई माननीय सदस्य बोलने के लिये खड़े हो गये।)

श्री राजो सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, सरकार का कुछ काम नहीं हो रहा है, सदन को समाप्त कीजिए।

श्री दीनबंधु प्रसाद यादव—उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों द्वारा श्री रामानन्द तिवारी जी के बारे में चिन्ता व्यक्त की गयी है। दूसरी तरफ श्री कैलाशपति मिश्र जी ने जो निर्णय लिया है वह निश्चित नहीं है। माननीय सदस्यों की चिंता को देखते हुए और सरकार की तरफ से जो जवाब आया है उसको ध्यान में रखते हुए मैं चाहूंगा कि आसन एक स्पष्ट निर्णय दे कि सदन चले या नहीं चले। मैं आसन से निर्णय चाहूंगा कि निदेश दे। इस तरह सदन के बहुमूल्य समय को बर्बाद नहीं किया जाय। सदन चलावें या स्थगित कर दें। (शोरगुल)

उपाध्यक्ष—(खड़ा होकर) शांति, शांति। व्यवस्था का प्रश्न उठाकर श्री दीनबंधु प्रसाद यादव ने यह जानना चाहा है कि जब माननीय सदस्यों ने सरकार का ध्यान आकृष्ट किया और जब सरकार की तरफ से श्री कैलाशपति मिश्र ने कहा कि हम इसका निराकरण कर रहे हैं, तब आसन अपना निर्णय दे। सदन में अभी भी बहुत पुराने-पुराने सदस्य हैं। कोई 1946 से हैं, कोई 1952 से हैं, कोई 1957 से हैं। 25—30 वर्षों के अनुभव के कई पुराने सदस्य हैं। आसन की तरफ से हमने बराबर कहा कि जो विषय यहां उठाया गया है उसकी अहमियत के साथ हम हैं और सरकार की तरफ से जो वक्तव्य हुआ है उसकी भी अहमियत को मैंने स्वीकार किया है। अब फर्क इतना ही हो रहा है कि श्री कैलाशपति मिश्र ने कहा कि शाम तक इसका निराकरण होगा। माननीय सदस्यों का कहना है कि इसका सत्र के चलते में ही निराकरण हो जाय। मैं माननीय सदस्य, श्री परमेश्वर कुंअर, श्री मुन्द्रिका सिंह, श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह से यह जानकारी प्राप्त करना चाहता हूं कि आसन इसमें आपका कैसे